केवल अनुपस्थित परीक्षार्थीओं के लिए : केवल 'बारकोड' अंकित यही एकमात्र पृष्ठ नीचे दी गई रेखा से काटकर पत्रक - A तथा पत्रक - B के साथ वापस भेजना है ।

इस प्रश्नपत्र में से कम या ज्यादा मात्रा में प्रश्न दिनांक १ मार्च, २००९ को होनेवाली मुख्य परीक्षा में भी पूछे जाने की संभावना है ।

बोचासणवासी श्री अक्षरपुरुषोत्तम स्वामिनारायण संस्था

सत्संग शिक्षण परीक्षा

पूर्व कसौटी : सत्संग प्रवेश : प्रश्नपत्र - १

जनवरी, २००९ **समय : सुबह ९.०० से ११.१५** **कुल गुणांक : ७५**

स्वामिनारायण
BAPS

अनुपस्थित परीक्षार्थी की उत्तर पुस्तिका का केवल यही पृष्ठ वापस भेजना है ।

☞ **परीक्षार्थी के नाम सम्बंधित विवरण के साथ 'बारकोड' अंकित किया गया है । कृपया उस पर किसी प्रकार का नुक़सान मत किजिए ।**

अनिवार्य : निम्न लिखित सूचना की परीक्षार्थी को अपने आप पूर्ति करनी है

परीक्षार्थी का जन्म दिन — दिनांक ☐☐ महिना ☐☐ वर्ष ☐☐☐☐

परीक्षार्थी का अभ्यास .....

परीक्षार्थी की उत्तर पुस्तिका पर अंकित नाम सहित अनिवार्य विवरण की सत्यता की जाँच करने के पश्चात् वर्ग निरिक्षक हस्ताक्षर करें ।

वर्ग निरिक्षक के हस्ताक्षर .....

☞ परीक्षार्थीओं को महत्वपूर्ण सूचनाएँ :-

१. मुख्य परीक्षा के दिन वर्गखंड में उपस्थित प्रत्येक परीक्षार्थी वर्ग निरिक्षक से अपनी नामयुक्त उत्तर पुस्तिका के मुख्य पृष्ठ पर निर्दिष्ट स्थान पर वर्ग निरिक्षक के हस्ताक्षर करा लें ।

२. **बिना वर्ग निरिक्षक के हस्ताक्षर की उत्तर पुस्तिका मान्य नहीं होगी ।**

३. दायीं ओर दिए गए अंक प्रश्न के गुण दर्शाते हैं ।

४. सूचनानुसार प्रश्नों के उत्तर दीजिए । अस्पष्ट उत्तर अमान्य होंगे ।

५. **परीक्षार्थी केवल ब्लू या केवल काली स्याही वाली पेन से ही उत्तर पुस्तिका में उत्तर लिखे । पेन्सिल से अथवा लाल, हरी या अन्य स्याही से लिखे गए उत्तर या एक से ज्यादा स्याही से लिखि गई उत्तर पुस्तिका मान्य नहीं होगी ।**

६. प्रश्न के गुण → गुण : १ ☐ ← परीक्षक को प्रश्न जाँचकर गुण लिखने की जगह

७. **परीक्षा खंड के बाहर** और अन्य सभी परीक्षार्थीओं से अलग या परीक्षा के नियमों का उल्लंघन कर के दी गई परीक्षा मान्य नहीं होगी ।

मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्रश्न नंबर (गुण)	प्राप्तांक
	१ (१२)	
	२ (६)	
	३ (५)	
	४ (५)	
	५ (५)	
	६ (४)	
विभाग-१, कुल गुण		

मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्रश्न नंबर (गुण)	प्राप्तांक
	७ (१२)	
	८ (६)	
	९ (५)	
	१० (५)	
विभाग-२, कुल गुण		

मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्रश्न नंबर (गुण)	प्राप्तांक
	११ (१०)	
विभाग-३, कुल गुण		

परीक्षक के हस्ताक्षर

.....

મોડરેશન વિભાગ માટે જ

ગુણ શબ્દોમાં . . . . . .

ચેકર - નામ

विभाग - १ : नीलकंठ चरित्र

प्र. १ निम्नलिखित विधान कौन, किसको और कब कहता है, यह लिखिए । **(१२)**

१. ''मेरे माता-पिता कल्पान्त कर रहे हैं । उन्हें खाना-पीना अच्छा नहीं लग रहा है ।''

कौन कहता है ? ..... किसको कहता है ? .....

कब कहता है ? .....

.....

.....

२. ''अब वे ही भागवत धर्म की स्थापना और एकांतिक धर्म का प्रसारण करेंगे ।''

३. ''तुम्हारी देह तब तक मैं सँभालूँगा ।''

४. ''तुम जब भी मेरा स्मरण करोगे, मैं शीघ्र उपस्थित रहूँगा ।''

प्र. २ निम्नलिखित विधानों के बारे में कारण लिखिए । (दो से तीन पंक्ति में) **(६)**

१. मुक्तानंद स्वामी ने स्त्रियों से कहा, 'माताओं ! अब अंतिम राम राम !'

.....

.....

.....

.....

२. भगवानदास को नीलकंठवर्णी की भगवान के रूप में प्रतीति हो गयी ।

३. महादत्त को नीलकंठवर्णी की विशेष महत्ता समझ में आयी ।

प्र. ३ निम्नलिखित प्रसंगों में से किसी <u>एक</u> प्रसंग के केवल पाँच मुख्य विधान लिखिए ।
(लगातार विवरण आवश्यक नहीं है।) **(५)**

१. नीलकंठवर्णी जयरामदास के घर पर । २. बदरीनाथ धाम की ओर ।

३. तेलंगी ब्राह्मण का उद्धार ।

( ) १. .....

.....

२. .....

.....

३. .....

.....

४. .....

.....

५. .....

.....

प्र. ४ निम्नलिखित प्रश्नों के एक (संपूर्ण) वाक्य में उत्तर लिखिए । **(५)**

१. नीलकंठवर्णी ने सूर्यनारायण को प्रसन्न करके क्या माँगा ?

.....

.....

२. ऋष्यमूक स्थान को लोग चक्रतीर्थ क्यों कहते हैं ?
३. लोज आश्रम के संत कैसे थे ?
४. नीलकंठवर्णी किससे परे हैं ?
५. सरोवर में से जयरामदास नीलकंठवर्णी के लिए क्या लाता था ?

प्र.५ निम्नलिखित वाक्यों में से सही और गलत वाक्य बताकर गलत वाक्यों को सुधारकर फिर से लिखिए । **(५)**

१. नीलकंठवर्णी ने मोहनदास को विषैले फल खाने से रोका । ☐

.....

२. नीलकंठवर्णी काले पर्वत की ओर से हिमालय जाने निकल पड़े ।
३. रामानंद स्वामी को रामानुजाचार्य ने स्वप्न में ही वैष्णवी दीक्षा दी थी ।
४. नीलकंठवर्णी ने बारह वर्ष की आयु में गृहत्याग किया ।
५. नवलखा पर्वत पर नीलकंठवर्णी ने नौ लाख स्वरूप धारण किये ।

प्र. ६ निम्नलिखित विधानों में रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए । **(४)**

१. नीलकंठवर्णी ने लाखा कोली की झोली को स्पर्श किया ..... जीवित हो गईं ।
२. नीलकंठवर्णी ने ..... के मठ के महंतपद का त्याग किया ।
३. नीलकंठवर्णी ने हरिद्वार में राजा ..... को अपने दिव्य स्वरूप के दर्शन करवाए ।
४. ..... में रहना हो, तो खंभा पकड़कर रहना पड़ेगा ।

विभाग – २ : सत्संग वाचनमाला भाग – १

प्र. ७ निम्नलिखित विधान कौन, किसको और कब कहता है, यह लिखिए । **(१२)**

१. ''इस झीणा को हम जूनागढ़ का राज्य दे दें तो कैसा रहेगा ?''

कौन कहता है ? ..... किसको कहता है ? .....

कब कहता है ? .....

.....

.....

२. ''इस स्वामिनारायण में तुमने क्या देख लिया कि भैंस भी चौक उठे ऐसा तिलक लगाकर घमंड में घूम रहे हो ।''
३. ''अलौकिक आश्चर्य बताएँगे, तुम उनकी शरण में जाना ।''
४. ''चिठ्ठियाँ आती रहती है, मैं उन्हें पढ़ता ही नहीं ।''

प्र. ८ निम्नलिखित विधानों के बारे में कारण लिखिए । (दो से तीन पंक्ति में) **(६)**

१. पता न लगे इस तरह एभल खाचर के दरबार में महाराज रहे ।

.....

.....

.....

.....

२. झीणाभाई ने अदीबा के साथ बोलना बंद कर दिया ।
३. आशाभाई ने डाकोर जाना छोड़ दिया ।

प्र. ९ निम्नलिखित वाक्यों में से विषय के अनुरूप केवल पाँच सही वाक्य ढूँढ़कर सिर्फ़ उसके क्रमांक लिखें । **(५)**

विषय : ब्रह्मानन्द स्वामी की निष्ठा ।

१. ऊपर बैठा हुआ मोटा साधु ब्रह्म है । **२.** ब्रह्मानन्द स्वामी ने थोड़ा ज्यादा टाट माँगा । **३.** नागरों ने ब्रह्मानन्द स्वामी के लिए मदोन्मन्त घोड़ा भेजा । **४.** ब्रह्मानन्द स्वामी ऊपर नीचे चारों ओर ताकने लगे । **५.** ब्रह्मानन्द स्वामी के स्पर्श से घोड़ा शान्त-सरल हो गया । **६.** एक नाखून जितनी धरती पर भी बिना आपके दूसरा भगवान कहीं नहीं दिखायी देता । **७.** जूनागढ़ में नागरों के विरोध बावजूद ब्रह्मानन्द स्वामी ने नवाब को प्रभावित किया । **८.** महाराज ब्रह्मानन्द स्वामी को यति कहते थे । **९.** महाराज ने ब्रह्मानन्द स्वामी को बड़ा टाट दिया । **१०.** जूनागढ़ में महाराज ने राधारमणदेव की प्रतिष्ठा की । **११.** महाराज ने प्रत्येक सन्त को तीन हाथ का टाट पहनने का नियम दिया ।

केवल क्रमांक - ☐ ☐ ☐ ☐ ☐

प्र.१० निम्नलिखित प्रश्नों के एक (संपूर्ण) वाक्य में उत्तर लिखिए । **(५)**

१. झीणाभाई के मातापिता का नाम क्या था ?

.....

.....

२. देवानन्द स्वामी ब्रह्मानन्द स्वामी के पास रहकर क्या सीखने लगे ?
३. लाडुदानजी का कौन कौन से राज्य में स्वागत-सम्मान हुआ ?
४. जेठाभगत कौन से मन्दिर के कोठारी थे ?
५. राईबाई ने अपने बेटे हाथिया पटगर को क्या कहा ?

विभाग - ३ : निबंध

प्र.११ निम्नलिखित किसी एक विषय पर करीब ३० वाक्यों में निबंध लिखिए । **(१०)**

१. तिलक टीका : हमारा धर्मगौरव ।
२. भक्तों के योगक्षेम के रखवाले एक विशिष्ट गुरु : प्रमुखस्वामी महाराज ।
३. कीजिए धून.... ! योगीजी महाराज ने दिया प्रार्थना से रिश्ता ।

( ) .....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....